रणथम्भौर में बढ़ा बाघों का कुनबा, बाघिन टी-125 सिद्धि ने तीन शावकों को जन्म दिया

सवाई माधोपुर (निस)। रणथम्भौर नेशनल पार्क से एक बार फिर खुशखबरी आई है और रणथम्भौर में बाघ बाघिन के कुनबे में एक बार फिर से बढ़ोतरी हुई है।

इस बार रणथंभौर की बाघिन सिद्धि से यह खुशखबरी मिली है ,रणथंभौर में बाघिन सिद्धि टी-125 ने तीन शावकों को जन्म दिया है। जिनकी तस्वीर वन विभाग के फोटो ट्रैप कैमरे में कैद हुई है। बाघिन के शावकों को जन्म देने की खबर के बाद वन्यजीव प्रेमियों में खुशी का माहौल है। जानकारी के मुताबिक रणथंभौर की बाघिन सिद्धी टी 125 की तीन नये शावकों के साथ फोटो रणथम्भौर की कुण्डेरा रेंज में लगे वन विभाग के फोटो ट्रैप कैमरे में कैद हुई है। बाघिन व शावकों की यह तस्वीर राजस्थान के वन मंत्री संजय शर्मा ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है। वन विभाग के मुताबिक बाघिन सिद्धी ने रणथम्भौर के जोन नंबर पांच के अणतपुरा वन क्षेत्र में शावकों को जन्म दिया है।

फिलहाल वन विभाग की द्वारा बाघिन व शावकों की मॉनिटरिंग और ट्रेकिंग शुरु कर दी गई है। बाघिन सिद्धी की उम्र करीब साढ़े छह साल है। यह बाघिन सिद्धि टी-125 रणथम्भौर की मशहूर बाघिन एरोहेड टी-84 की बेटी है और बाघिन टी-124 रिद्धी की बहन है। बाघिन टी-125 सिद्धि के तीन शावकों को जन्म देने के बाद अब रणथम्भौर में बाघ बाघिन और शावकों की संख्या-81 पहुंच हो गई है। बाघिन के शावकों के जन्म देने की खबर को लेकर वन्यजीव प्रेमियों में खुशी की लहर है।

सवाईमाधोपुर के रणथंभौर में वन विभाग की ओर से बाघिन टी-125 सिद्धि की फोटो ट्रेप की गई।

राज्य सरकार निवेशकों के लिये नीतियों में लगातार सुधार कर रही है : भजनलाल शर्मा

सियोल, दक्षिण कोरिया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय इन्वेस्टर मीट में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने कई निवेशकों से मुलाकात की। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल मौजूद रहे।

सियोल। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने आज 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के पहला अंतरराष्ट्रीय इन्वेस्टर मीट में भाग लिया, जिसे दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में आयोजित किया गया। इस इन्वेस्टर मीट के जरिए मुख्यमंत्री शर्मा ने दक्षिण कोरिया के व्यापारिक समुदाय और निवेशकों को राजस्थान में निवेश हेतु आमंत्रित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री शर्मा ने अगले 5 वर्षों के दौरान राज्य की अर्थव्यवस्था को मौजूदा 180 बिलियन अमेरिकी डॉलर से दोगुना करके 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर करने के अपनी सरकार के एजेंडे को रेखांकित किया और निवेशकों को आश्वासन दिया कि राज्य में 'व्यापार करने में आसानी' हो, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा प्रक्रियाओं और नीतियों में लगातार सुधार किया जा रहा है।

स्टार्टअप्स, इनोवेटर्स और दक्षिण कोरिया के व्यापारिक समुदाय के सदस्यों को राजस्थान में कारोबार करने के लिए आमंत्रित करते हुए, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा, राजस्थान सरकार दक्षिण कोरिया को केवल निवेश के स्त्रोत के रूप में नहीं देख रही है, बल्कि दक्षिण कोरिया के व्यापारिक समुदाय के साथ सभी क्षेत्रों में एक मजबूत और दीर्घकालिक साझेदारी बनाने की आकांक्षा रखती है। निवेशकों के अनुकूल माहौल बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के तहत हमारी सरकार जल्द ही कई नई नीतियां लाने जा रही है, जो राज्य में व्यापार और कारोबार के माहौल को और बेहतर बनाएंगी। इनमें नई औद्योगिक नीति, निर्यात प्रोत्साहन नीति, एमएसएमई नीति और एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) नीति शामिल हैं।

इन्वेस्टर मीट के अलावा, मुख्यमंत्री शर्मा ने आज यहां कई बड़ी दक्षिण कोरियाई कंपनियों और एसोसिएशन, जिनमें इंफ्रास्ट्रक्चर, केमिकल्स, स्टार्टअप्स और पर्यटन जैसे क्षेत्र शामिल हैं, के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी मुलाकात की। इसमें पॉस्को इंटरनेशनल, एसजी कॉरपोरेशन (दक्षिण कोरिया की एक एस्फॉल्ट और कंक्रीट निर्माता कंपनी), जीएस ईएंडसी (दक्षिण कोरिया की एक अक्षय ऊर्जा और बैटरी स्टोरेज कंपनी), हनवा सॉल्यूशन (एक केमिकल कंपनी) और जियोनबुक क्रिएटिव इकोनॉमी इनोवेशन सेंटर (जेसीसीईआई), जो स्टार्टअप्स के लिए इन्क्यूबेटर का काम करती है, के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई बैठक शामिल है। इसके अलावा, इन्वेस्टर मीट के दौरान मौजूद कई निवेशकों ने भी राज्य में निवेश करने में रुचि दिखाई।

इनमें, पॉस्को इंटरनेशनल और एसजी कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से मुख्यमंत्री से मुलाकात की और राजस्थान में एस्फॉल्ट यूनिट लगाने में रुचि दिखाई और अपने उत्पादों के जरिए राज्य में बेहतर सड़कें बनाने की पेशकश की। इस बैठक में प्रदेश में निवेश हेतु सब्सिडी, बुनियादी ढांचा सेवाओं, कच्चे माल की खरीद और अन्य आवश्यकताओं के संबंध में अपनी अपेक्षाएं भी उन्होंने सरकार से साझा कीं।

जेसीसीईआई के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में दोनों पक्षों द्वारा उद्यमिता के बारे में ज्ञान के आदान-प्रदान और स्टार्टअप्स को अपने व्यवसाय के विकास में मदद करने के अवसरों पर विचार किया गया। इसके अलावा, राजस्थान के पर्यटन क्षेत्र की संभावनाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक विशेष इन्वेस्टर रोडशो का भी यहां आज आयोजन किया गया।

एस.ओ.जी. ने बाबूलाल कटारा, रामूराम राईका और उसके बेटे-बेटी को आर.पी.एस.सी. कार्यालय में ले जाकर तस्दीक करवाई

पेपर लीक के इन सभी आरोपियों को अपराधियों की तरह आर.पी.एस.सी. दफ्तर लेकर पहुंची पुलिस

जयपुर/अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग के पेपर लीक प्रकरण में आरोपी निलंबित सदस्य बाबूलाल कटारा, रामूराम राईका, उसके बेटे देवेश राईका और बेटी शोभा राईका को सोमवार को राजस्थान लोक सेवा आयोग कार्यालय में एसओजी ने अपराधियों की तरह पुलिस घेरे में ले जाकर तस्दीक कराई।

बाबूलाल कटारा जो कभी आरपीएससी में साहब हुआ करते थे। आज अपराधियों की तरह पुलिस घेरे में अपने चैंबर तक लाए गए और उन्हीं की मौजूदगी में उनका सीज चैंबर खुलवाया गया। आरोप है कि सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा 2021 के पेपर लीक में आरोपी बाबूलाल कटारा ने ही पूर्व सदस्य रामूराम राईका को भर्ती परीक्षा का पेपर दिया था। कटारा पर सीनियर टीचर भर्ती परीक्षा का पेपर लीक करने का भी आरोप है। अब दोनो को एक ही कमरे में बैठाकर आमने सामने एसओजी पूछताछ कर रही है।

सूत्रों के अनुसार आयोग के अफसरों और कटारा से आमने- सामने बैठाकर पूछताछ होगी। इधर, जोधपुर के एक स्कूल में एसआई पेपर में नकल करवाने को लेकर भी बड़ा खुलासा हुआ है। एसओजी की पूछताछ में सामने आया है पेपर से एक दिन पहले बाकायदा आरोपी कैंडिडेट्स के साथ स्कूल संचालक ने मॉकड्रिल की थी। पूरा सौदा 12 लाख रुपए में तय हुआ था। फिलहाल बाबूलाल कटारा को लेकर आरपीएससी पहुंची एसओजी की टीम दस्तावेज खंगाल रही है। यहां कटारा से पेपर लीक को लेकर भी सवाल-जवाब किए गए हैं।

दरअसल, आरपीएससी के पूर्व सदस्य रामूराम राईका को भी पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किया था। राईका ने पूछताछ में बताया था कि उसने पेपर कटारा से लिया था। इसके बाद कटारा को जयपुर सेंट्रल जेल से प्रोडक्शन वारंट पर फिर से गिरफ्तार किया गया। इससे पहले, एसओजी ने 31 अगस्त को राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) से 5 ट्रेनी एसआई को गिरफ्तार किया था। पकडे गए पांच आरोपियों में राईका का बेटा और बेटी भी शामिल है। एसआई परीक्षा में अब तक 70 जने गिरफ्तार हो चुके।

- **बाबूलाल कटारा जो कभी आरपीएससी में साहब हुआ करते थे, उन्हें अपराधियों की तरह पुलिस घेरे में चैंबर तक लाया गया और और उन्हीं की मौजूदगी में उनका सीज चैंबर खुलवाया गया।**
- **सूत्रों के अनुसार जल्द ही एस.ओ.जी. टीम राजस्थान लोक सेवा आयोग के अफसरों और बाबूलाल कटारा से आमने-सामने बैठाकर पूछताछ करेगी।**

सूत्रों के अनुसार एसओजी एसआई परीक्षा - 2021 पेपर लीक मामले में अब तक 42 ट्रेनी सब इंस्पेक्टर सहित 70 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। अलग-अलग आरोपियों से पूछताछ में डेली नए खुलासे हो रहे हैं। अब जोधपुर के एक परीक्षा सेंटर को लेकर चौंकाने वाली जानकारी मिली है।

दरअसल, परीक्षा से एक दिन पहले 14 सितंबर 2021 को परीक्षा केंद्र पर नकल करवाने के लिए बाकायदा मॉकड्रिल की गई थी।

इसमें पूर्व सैनिक, उसकी पत्नी, महिला मित्र और अन्य अभ्यर्थियों को परीक्षा कक्ष में बैठने और पेपर सॉल्व करके पर्ची आने तक की प्रैक्टिस की गई। परीक्षा केंद्र पर महिला मित्र की मदद से ही साठगांठ करवाई गई थी। नकल से पूर्व सैनिक बिजेंद्र कुमार की भर्ती परीक्षा में 92वीं रैंक बनी। वहीं, पेपर सॉल्वर ने अब तक 100 से अधिक अभ्यर्थियों को पेपर सॉल्व करवाकर सरकारी नौकरी दिलवाई। परीक्षा केंद्र पर महिला मित्र की मदद से ही साठगांठ करवाई गई थी। नकल से पूर्व सैनिक बिजेंद्र कुमार की भर्ती परीक्षा में 92वीं रैंक बनी। वहीं, पेपर सॉल्वर ने अब तक 100 से अधिक अभ्यर्थियों को पेपर सॉल्व करवाकर सरकारी नौकरी दिलवाई। बिजेंद्र पूर्व सैनिक कोटे से परीक्षा में शामिल हो रहा था। इस पर बिजेंद्र ने खुद की महिला मित्र ब्यूटी पार्लर संचालिका रितु शर्मा से संपर्क कर सेंटर पर साठ-गांठ की थी। रितु ने खेमे का कुआं निवासी फर्नीचर का काम करने वाले अर्जुन प्रजापत से बात की। अर्जुन ने रोहिलाकलां में स्कूल संचालक अनिल सांखला से संपर्क करवाया। अनिल ने आदर्श स्कूल के मालिक सोमेश गोदारा से बात की। इसमें 12 लाख रुपए में पेपर सॉल्व करवाने का सौदा तय हुआ। पूर्व सैनिक बिजेंद्र कुमार ने सिलेक्शन के बाद निर्धारित राशि में से करीब 3 लाख रुपए नहीं दिए थे। इसको लेकर आपस में विवाद चल रहा था। इस बीच अर्जुन और रितु ने मिलकर एक कहानी रची। जिसमें एसओजी जांच से बचाने की एवज में 10 लाख रुपए की मांग की गई।

बिजेंद्र खुद के साथ करीब 8 लाख लेकर आया। देसूरिया गांव में अपने फौजी दोस्त के घर रुका। वहां से परीक्षा से दो दिन पहले 13 सितंबर 2021 को अपनी पत्नी और महिला मित्र रितु के साथ आया। रितु ने खुद के मित्र अर्जुन को सूचना देकर परीक्षा केंद्र पर जानकारी दिलवाई। जांच में सामने आया कि पेपर सॉल्वर ने अब तक 100 से अधिक अभ्यर्थियों को नौकरी दिलवाई है। बिजेंद्र कुमार, उसकी महिला मित्र और पत्नी 14 सितंबर 2021 को ही परीक्षा केंद्र पर पहुंच गए। वहां पर स्कूल के मालिक सोमेश ने केंद्र पर परीक्षा कक्ष में बैठने से लेकर पेपर सॉल्व होकर आने तक की मॉकड्रिल करवाई। अभ्यर्थियों को केवल परीक्षा के दौरान पेपर सॉल्व करने का नाटक कर टाइम पास करने के लिए कहा गया। पेपर सॉल्व होकर पर्ची आने के बाद में ओएमआर भरवाई जानी थी। इस दौरान स्कूल संचालक को रुपए भी दे दिए गए थे।

अविचल चतुर्वेदी ने किया बच्चों से संवाद

जयपुर। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् के राज्य परियोजना निदेशक अविचल चतुर्वेदी ने राजकीय उच्च प्रथमिक विद्यालय करतारपुरा और राजकीय उच्च प्रथमिक विद्यालय बम्बाला (सांगानेर) में पहुंचकर प्रखर राजस्थान अभियान के शुभारम्भ अवसर पर आयोजित रीड ए थॉन गतिविधि में सम्मिलित हुए। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद किया तथा विद्यालय में अध्यननरत विशेष आवश्यकता वाली बालिका से लार्ज फोंट पुस्तिका पढवाकर बालिका का उत्साहवर्द्धन किया। चतुर्वेदी ने अजमेर के राजकीय अंध विद्यालय, आदर्श नगर के बालकों से वीडियो कॉल पर जुड़कर ब्रेल पुस्तक वाचन की प्रशंसा की। कलेक्टर भी प्रखर राजस्थान अभियान में सहभागी बने। जिला कलेक्टर-बांसवाड़ा डॉ. इन्द्रजीत सिंह ने पीएमश्री महात्मा गांधी विद्यालय, खांदू कॉलोनी, कलेक्टर-बीकानेर नम्रता वृष्णि ने राजकीय अंध विद्यालय बीकानेर, कलेक्टर-भीलवाड़ा नमित मेहता, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, पुलिस लाइन, भीलवाड़ा में पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद कर अभियान को उत्साहपूर्वक संचालित करने के लिए प्रेरित किया। अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक सुरेश कुमार बुनकर अभियान के दौरान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शुभरामपुरा, जयपुर में पहुंचकर विशेष आवश्यकता वाले बालक से संवाद कर उत्साहवर्द्धन किया। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के अधिकारियों द्वारा भी अपने-अपने प्रभार वाले जिलों में पहुंचकर कार्यक्रम में सहभागिता की।

बंधन बैंक देगा जीएसटी कलेक्शन सुविधा

जयपुर। बंधन बंक ने अब जीएसटी (वस्तु और सेवा कर) कलेक्शन की सुविधा शुरू कर दी है। अब बैंक के कस्टमर्स और नॉन-कस्टमर्स दोनों ही ऑनलाइन और ऑफलाइन तरीके से जीएसटी भर सकते हैं। इससे जीएसटी का पेमेंट करना काफी आसान हो गया है। बैंक के कस्टमर्स और अन्य लोग अब बैंक के रिटेल इंटरनेट बैंकिंग और कॉर्पोरेट इंटरनेट बैंकिंग प्लेटफॉर्म के जरिए जीएसटी पेमेंट कर सकते हैं। इसके अलावा, बैंक की किसी भी शाखा में जाकर कैश, चेक या डिमांड ड्राफ्ट से भी पेमेंट किया जा सकता है। बंधन बैंक के कार्यकारी निदेशक और मुख्य व्यवसाय अधिकारी, राजिंदर बब्बर ने कहा, "जीएसटी कलेक्शन की शुरुआत हमारे ग्राहकों के लिए सरकारी सेवाओं को और भी नजदीक लाने की दिशा में एक अहम् कदम है। सरकार जब व्यापार को आसान बनाने पर ध्यान दे रही है, बंधन बैंक अपनी बेहतरीन डिजिटल और तकनीकी क्षमताओं से सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है।"

वोकल फ़ोर लोकल की थीम पर तैयार हो राजस्थान हाउस : दिया कुमारी

दिया कुमारी ने सोमवार को दिल्ली में निर्माणाधीन राजस्थान हाउस का निरीक्षण किया।

नई दिल्ली। उपमुख्यमंत्री और सार्वजनिक निर्माण विभाग और पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को नई दिल्ली में निर्माणाधीन राजस्थान हाउस का निरीक्षण करके हाउस के निर्माण की कार्य प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ मीटिंग भी की जिसमें इंजीनियरों ने राजस्थान हाउस को लेकर प्रेजेंटेशन दिया कि कहां तक कार्य हो चुका है और आगे क्या कुछ करना है। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से चर्चा के दौरान निर्माणाधीन हाउस के पूरे ब्लूप्रिंट को समझते हुए उन्होंने अधिकारियों से साफ तौर पर कहा कि इस निर्माणाधीन भवन के तैयार होने के बाद जब यहां पर लोग आए, इसके अंदर जब लोग पहुंचे तो आगंतुकों को लगे कि हम राजस्थान आ गए हैं। यहां की सारी व्यवस्थाएं राजस्थानी कल्चर से मेल खाते हुए डेवलप होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आप लोग एक रिव्यू मीटिंग भी बुलाए और रिव्यू मीटिंग करके हमें जरूरत पड़ेगी तो इसमें जरूरी बदलाव भी किए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में बनकर तैयार होने वाला यह भवन सिर्फ एक बिल्डिंग मात्रा नहीं बल्कि राजस्थान का दर्पण होना चाहिए।

निरीक्षण के दौरान दिया कुमारी ने अधिकारियों और इंजीनियरों को स्पष्ट निर्देश दिए की इस भवन के निर्माण कार्य में लगने वाली हर एक सामग्री में राजस्थानी निर्माण सामग्री को प्राथमिकता दी जाए, चाहे वह राजस्थानी पत्थर हो चाहे वह राजस्थानी पेंटिंग्स के साथ-साथ राजस्थान के हुनरबंद कारीगरों को भी इसके निर्माण कार्य में प्राथमिकता के साथ स्थान दिया जाना चाहिए ताकि हमारे लोगों को रोजगार के अवसर भी मिल सके और इस भवन के निर्माण में राजस्थानी कला और संस्कृति की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई दे सके। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में बनने वाले विश्व स्तरीय भवनों में जब राजस्थानी पत्थर का उपयोग हो सकता है तो राजस्थान हाउस के निर्माण में भी राजस्थानी पत्थर का भरपूर उपयोग किया जाना चाहिए। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजस्थान हाउस के निर्माण के दौरान उसमें एक सूचना केंद्र और आगंतुकों और व्यवसायियों को राजस्थान से संबंधित संपूर्ण जानकारी देने के लिए एक बिजनेस सेंटर बनाने के निर्देश भी दिये।

एस.बी.आई. जयपुर मंडल ने किया पौधारोपण

जयपुर । भारतीय स्टेट बैंक (एस.बी.आई.) जयपुर मण्डल की ओर से 5 सितम्बर को अमृतादेवी पर्यावरण नागरिक (अपना) संस्थान जयपुर के माध्यम से राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, कंवर नगर, जयपुर में वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक के स्वतंत्र निदेशक धर्मेंद्र सिंह शेखावत, महाप्रबंधक ऋतु गौड़, बैंक के उप महाप्रबंधक, सहायक महाप्रबंधक एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

स्वतंत्र निदेशक शेखावत ने कहा कि केवल "प्लान्ट फॉर मदर" ही काफी नहीं है, बल्कि "प्लान्ट फॉर एवरी फ़ैमिली मैंबर" के ध्येय को अपनाना होगा। ज्यादा से ज्यादा ऐसे पेड़ लगाने होंगे, जिनकी चिकित्सयी उपयोगिता हो जैसे कि कदंब, पीपल, बड़, नीम इत्यादि।

उन्होने एसबीआई द्वारा बैंक के सीएसआर कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रेटर नगर निगम एरिया में 15 हजार वृक्ष लगाने के इस प्रयास का भी विशेष उल्लेख किया। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की महाप्रबंधक गौड़ ने मानव के लिए वृक्षों का महत्व बताया।

मंगलम् ग्रुप ने 100 बीघा कृषि भूमि पर बसा दी अवैध कॉलोनी 'फोरेस्टा'

दिल्ली बाईपास रोड पर ग्राम टोडी से दौलतपुरा के बीच में काटी अवैध कॉलोनी

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में दिल्ली बाईपास रोड स्थित ग्राम टोडी से दौलतपुरा के बीच 100 बीघा कृषि भूमि पर मंगलम ग्रुप ने अवैध कॉलोनी "फोरेस्टा" बसा दी। इसके लिए जयपुर विकास प्राधिकरण से ना तो कोई परमिशन ली गई और ना ही भू-रूपांतरण कराया। भूमाफियाओं की तरह रातोंरात ही यह कॉलोनी काटकर इसमें मिट्टी-ग्रेवल व डामर की सड़कें, बाउंड्रीवाल समेत कई निर्माण कर दिए। सोमवार को जेडीए के मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन महेन्द्र कुमार शर्मा की टीम ने इस अवैध कॉलोनी पर कार्रवाई करते हुए तमाम अवैध निर्माण जेसीबी मशीनों की मदद से ध्वस्त किए।

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन महेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि जोन-13 में दिल्ली रोड बाईपास पर निजी खातेदारी की 100 बीघा कृषि भूमि पर मंगलम ग्रुप द्वारा अवैध कॉलोनी 'फोरेस्टा' बसाने की जानकारी मिली। जब संबंधित जोन उपायुक्त से इस स्कीम से जुड़ी जानकारी मांगी गई तो मालूम चला कि कृषि भूमि का ना तो आवासीय रूपांतरण (90ए) कराया गया है और ना ही कॉलोनी बसाने की कोई परमिशन जेडीए प्रशासन से ली गई है। इस पर सोमवार को जेडीए की प्रवर्तन टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए तमाम अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया। अब संबंधित जोन उपायुक्त को मंगलम ग्रुप के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। इसी प्रकार जोन-13 स्थित ग्राम सेवापुरा में कचरा डिपो के पास भी करीब 27 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर इसी तरह दूसरी अवैध कॉलोनी बसाने के लिए रातोंरात कई निर्माण कर लिए गए थे। यहां पर भी ग्रेवल व डामर की रोड, बाउंड्रीवाल व प्लॉट्स के चिन्हिकरण का काम कर लिया गया था। दोनों जगहों पर ध्वस्तीकरण की खर्च राशि संबंधित लोगों से वसूली जायेगी।

जयपुर विकास प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने दिल्ली बाईपास रोड स्थित अवैध कॉलोनी फोरेस्टा में रातोंरात बनाई गई डामर सड़क व अन्य निर्माण ध्वस्त किए।

- **मंगलम ग्रुप ने ना तो कृषि भूमि का कोई रूपांतरण कराया और ना ही जेडीए प्रशासन से कोई निर्माण स्वीकृति ली**
- **जे.डी.ए. की प्रवर्तन टीम ने रातोंरात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल रोड, बाउंड्रीवाल समेत अन्य अवैध निर्माण ध्वस्त किए**